डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/4-357/2024-26

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष
सहकारी समितियां एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती हैं

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक
प्रकाशन दिनांक 16 नवम्बर, 2025, डिस्पेच दिनांक 16 नवम्बर, 2025

| वर्ष 69 | अंक 12 | भोपाल | 16 नवम्बर, 2025 | पृष्ठ 8 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

पशुपालन विभाग और एनडीडीबी मिलकर करेंगे सांची का उन्नयन : श्री सारंग

सायलेज का प्रचार प्रसार करने एनडीडीबी की भूमिका जरूरी : मंत्री लखन पटेल

सहकार से समृद्धि

भोपाल :पशुपालन विभाग और राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) मिलकर सांची का और उन्नयन करेंगे। यह विचार सहकारिता एवं युवा कल्याण, मंत्री श्री विश्वास सारंग ने 'सहकार से समृद्धि गोष्ठी' में व्यक्त किए।सहकारिता मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सहकारिता के माध्यम से हर एक सैक्टर में नवाचार किया जा रहा है। समाज को सुव्यवस्थित करना है, सुगठित करना है तो उसका मूल आधार ही सहकारिता है। सहकारिता के माध्यम से देश व मध्यप्रदेश में बहुत से कार्य हुए हैं। बनास डेरी और अमूल उत्कृष्ट सहकारी संस्थाओं का उदाहरण हैं। मध्यप्रदेश में सांची का कार्य भी एनडीडीबी के सहयोग से सोने पर सुहागा हो गया है। एनडीडीबी के माध्यम से सांची का उन्नयन हो रहा है, यह भी हमारे किसानों के कारण ही है। सहकारिता का लक्ष्य पूरा हो, इसके लिए हम मिलकर काम करेंगे। ताकि शक्तिशाली और श्रेष्ठ भारत का निर्माण कर सकें।

पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल ने कहा कि मध्यप्रदेश में दूध का उत्पादन बढ़ाने के लिए पशुपालकों को दुधारू पशुओं को सायलेज खिलाने के लिए समझाना होगा, इससे दुग्ध उत्पादन तो बढ़ेगा ही साथ ही पशु भी स्वस्थ रहेंगे। उन्होंने एनडीडीबी द्वारा सांची के उन्नयन के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

प्रबंध संचालक एमपीसीडीएफ डॉ. संजय गोवाणी ने कहा कि एनडीडीबी ने दुग्ध उत्पादकों को उनका वाजिव दाम समय पर मिले उसकी व्यवस्था की और ईआरपी सिस्टम लागू किया। किसानों को सहकार से जोड़ने के लिए काम किया जा रहा है। निश्चित ही 50 प्रतिशत गांवों को सहकारी डेयरी से जोड़ा जाएगा। हमारा लक्ष्य 26 हजार गांवों में सहकारी डेयरी बनाना है। पांच साल में 52 लाख लीटर दूध प्रतिदिन संकलन करना और 35 लाख लीटर दूध विक्रय करना है। लक्ष्य मुश्किल है परन्तु सहकार से इसे पूरा करने में सफल होंगे। महाप्रबंधक सहकारिता सेवाएं, एनडीडीबी श्री राजेश गुप्ता ने कहा कि सहकार से समृद्धि, यह केवल एक कार्यक्रम नहीं बल्कि सहकारिता के माध्यम से आत्मनिर्भर और समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण का संकल्प है।

किसानों को किया पुरस्कृत

इस अवसर पर दुग्ध उत्पादक किसान की श्रेणी में पहला पुरस्कार भोपाल सहकारी दुग्ध संघ की श्रीमती प्रीति बाई दांगी को दिया गया, जिसमें उन्हें 10000 रूपए का चैक एवं प्रमाणपत्र दिया गया। इन्होंने 2024-25 के वर्ष में 1लाख 62 हजार 543 किग्रा दूध समिति को दिया है। दूसरा पुरस्कार उज्जैन दुग्ध संघ के श्री विशाल सिंह को दिया गया, जिसमें 7000 रूपए का चैक एवं प्रमाण पत्र दिया गया। इन्होंने 2024-25 के वर्ष में 71 हजार 240 किग्रा दूध समिति में दिया है। तीसरा पुरस्कार इंदौर दुग्ध संघ के श्री सावंत राम चौधरी को दिया गया, जिसमें उन्हें 5000 रूपए का चैक एवं प्रमाण पत्र दिया गया। इन्होंने वर्ष 2024-25 में 54 हजार 300 कि. ग्रा. दूध समिति में दिया है। सांत्वना पुरस्कार ग्वालियर दुग्ध संघ के श्री गामराज गुर्जर को दिया गया। इन्होंने वर्ष 2024-25 में 18 हजार 250 किग्रा दूध समिति में दिया है।

इसी प्रकार उत्कृष्ट सहकारी समितियों को भी पुरस्कृत किया गया है। पहला पुरस्कार उज्जैन दुग्ध संघ अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति बालागुडा के अध्यक्ष व सचिव को 10000 रूपए का चैक व प्रमाण पत्र दिया गया। इस समिति ने वर्ष 2024-25 में 18 लाख 22 हजार 260 कि.ग्रा. दूध संकलन किया है। दूसरा पुरस्कार भोपाल दुग्ध संघ अंतर्गत दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति उलझावन को 7000 रूपए का चैक व प्रमाण पत्र दिया गया। इस समिति ने वर्ष 2024-25 में 14 लाख 78 हजार 880 किग्रा का दूध संकलन किया है। तीसरा पुरस्कार इंदौर दुग्ध संघ अंतर्गत दुग्ध सहकारी समिति कुडाना को 5000 रूपए का चैक व प्रमाण पत्र दिया गया। इस समिति ने वर्ष 2024-25 में 11 लाख 24 हजार 870 किग्रा दूध का संकलन किया है। सांत्वना पुरस्कार बुंदेलखण्ड दुग्ध संघ अंतर्गत दुग्ध सहकारी समिति खजवा को दिया गया। इस समिति ने वर्ष 2024-25 में 19 लाख 71 हजार 68 कि.ग्रा. दूध का संकलन किया है। श्री मनोज पुष्प आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं, डॉ. पी.एस. पटेल, महाप्रबंधक सहकारिता सेवाएं, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, श्री वी. श्रीनिवास क्षेत्रीय प्रमुख (पश्चिमी क्षेत्र), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड मुम्बई उपस्थित थे।

72वां अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह 2025

मुख्य थीम-आत्मनिर्भर भारत के माध्यम के रूप में सहकारिता।

दिनांक	विषय
14.11.2025	परिचालन दक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना।
15.11.2025	त्रिभुवन सहकार विश्वविद्यालय: अनुसंधान, और प्रशिक्षण; सहकारी शिक्षा में परिवर्तन।
16.11.2025	सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण विकास का सुदृढ़ीकरण ।
17.11.2025	राष्ट्रीय सहकारी नीति पारिस्थितिकी तंत्र: भारत की सहकारिताओं के लिए संरचित रोडमैप।
18.11.2025	सहकारी उद्यमिता के माध्यम से युवाओं, महिलाओं और कमजोर क्षेत्रों (हस्तशिल्प, हथकरघा, श्रम, मत्स्य पालन आदि) को सशक्त बनाना।
19.11.2025	उभरते क्षेत्रों जैसे- पर्यटन, स्वास्थ्य, हरित ऊर्जा, प्लेटफार्म को-ऑप्स, किचेन को-ऑप्स और किसी भी अन्य संभावित क्षेत्र में सहकारी समितियों का विस्तार करना।
20.11.2025	वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए अभिनव सहकारी व्यवसाय मॉडल।

प्रदेश में 14 नवम्बर से राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह

मंत्री श्री सारंग ने तैयारियों की समीक्षा कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भोपाल : सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंत्रालय में सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर 14 से 20 नवम्बर राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह तथा अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के समापन समारोह की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मंत्री श्री सारंग ने कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सप्ताह की थीम "आत्मनिर्भर भारत के माध्यम के रूप में सहकारिता"

बैठक में बताया गया कि इस वर्ष राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह की थीम "आत्मनिर्भर भारत के माध्यम के रूप में सहकारिता" निर्धारित की गई है। यह विषय आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करने में सहकारी समितियों की भूमिका को रेखांकित करता है। विशेष रूप से कृषि, ग्रामीण ऋण, सूक्ष्म-उद्यम, महिला सशक्तिकरण और स्थानीय उत्पादन जैसे क्षेत्रों में सहकारिता की भूमिका न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण है, बल्कि यह समावेशी एवं सतत विकास का भी आधार बन रही है।

सप्ताह के दौरान होंगे जन-जागरण कार्यक्रम

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता सप्ताह के दौरान ऐसे जन-जागरण कार्यक्रम आयोजित किये जायें, जिनसे आम नागरिकों में सहकारिता के प्रति रुचि और जुड़ाव बढ़े। यह आवश्यक है कि सहकारिता आंदोलन की पहुँच गाँव-गाँव और शहर-शहर तक हो, जिससे "सहकार से समृद्धि" का भाव हर व्यक्ति के जीवन में उतर सके।

विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श

मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिए कि नागरिक बैंकों को मुख्यधारा में लाने के प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया जाये और इस दिशा में महाराष्ट्र के विशेषज्ञों के साथ एक विशेष विचार-विमर्श सत्र आयोजित किया जाये। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों द्वारा निर्मित स्वदेशी

(शेष पृष्ठ 6 पर)

केरल अध्ययन भ्रमण से सीख : मध्यप्रदेश के सहकारी निरीक्षकों ने देखी नवाचारों की नई राहें

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ, भोपाल द्वारा सहकारी निरीक्षकों के लिए संचालित छः माह के उच्च डिप्लोमा इन कोऑपरेटिव मैनेजमेंट प्रशिक्षण कार्यक्रम (21 जुलाई 2025 से 8 दिसम्बर 2025 तक) के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण अध्ययन भ्रमण (Exposure Visit) का आयोजन किया गया।इस भ्रमण का उद्देश्य था — केरल राज्य में सफलतापूर्वक संचालित सहकारी संस्थाओं के नवाचारों, कार्यप्रणाली, सामाजिक योगदान और बहुउद्देशीय स्वरूप का प्रत्यक्ष अध्ययन करना।यह भ्रमण राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) के विशेष सहयोग से सम्पन्न हुआ तथा इसका संचालन मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन एवं महाप्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किया गया।

अध्ययन दल का नेतृत्व श्री गणेश प्रसाद मांझी, प्राचार्य, सहकारी प्रशिक्षण केंद्र भोपाल एवं श्री संतोष येडे, सोशल मोबिलाइजेशन एक्सपर्ट द्वारा किया गया।

केरल के सहकारी मॉडल का अध्ययन

दिनांक 3 नवम्बर 2025 को भोपाल से रवाना हुआ यह अध्ययन दल केरल राज्य के विभिन्न जिलों — तिरुवनंतपुरम, कोल्लम एवं कोवलम — का भ्रमण करता हुआ वहाँ की अग्रणी सहकारी संस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। दल ने देखा कि केरल में सहकारिता केवल वित्तीय क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक और स्वास्थ्य क्षेत्रों तक व्यापक रूप से फैली हुई है।

दल द्वारा भ्रमण किए गए प्रमुख संस्थान इस प्रकार रहे:-

KCCS Farmers Producer Company Ltd., Thankamala, Koliyakode, Thiruvananthapuram

दल ने Golden Hill Dairy एवं Golden Hill Coconut Processing Unit का निरीक्षण किया। यह संस्था किसानों द्वारा संचालित एक सफल कृषि उत्पादक कंपनी है, जो नारियल आधारित उत्पादों एवं दुग्ध प्रसंस्करण के माध्यम से स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार एवं स्थायी आय उपलब्ध करा रही है।यहाँ सप्लाई चेन प्रबंधन, गुणवत्ता नियंत्रण और मार्केट लिंकिंग जैसी आधुनिक व्यवस्थाएँ सहकारी सिद्धांतों पर आधारित हैं।

Sree Bhagavathy HWCS Ltd., Keleswaram – Kalliyoor Handloom Development Center, Bhagavathinada

यह संस्था पारंपरिक हाथकरघा उद्योग के पुनर्जीवन का उत्कृष्ट उदाहरण है। यहाँ महिला की भागीदारी उल्लेखनीय है।स्थानीय स्तर पर बुनाई, डाईंग, और तैयार वस्त्र निर्माण से लेकर विपणन तक की संपूर्ण प्रक्रिया सहकारी ढाँचे में संचालित है। इससे कारीगरों को उचित मूल्य और नियमित रोजगार मिल रहा है।

Balaramapuram Service Cooperative Bank

दल ने बलरामपुरम सेवा सहकारी बैंक का भी निरीक्षण किया।यह बैंक स्थानीय बुनकरों, किसानों और लघु व्यवसायों को कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराता है।बैंक ने डिजिटल बैंकिंग, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन सिस्टम और स्वयं सहायता समूहों के वित्तीय सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है।इस बैंक की कार्यप्रणाली पूर्णतः पारदर्शी एवं ग्राहक उन्मुख है।

Kolyakode, Potancode, Karakulam एवं Nanniyode Service Cooperative Banks

इन ग्रामीण बैंकों ने माइक्रो फाइनेंस मॉडल को प्रभावी ढंग से अपनाया है।इन बैंकों द्वारा कृषि ऋण, पशुपालन सहायता, बीमा योजनाएँ, एवं बचत खातों के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। यहाँ डिजिटल तकनीक और सहकार भावना के माध्यम से आर्थिक समावेशन का उत्कृष्ट उदाहरण देखने को मिला।

Kollam Livestock Society

कोल्लम स्थित यह समिति डेयरी विकास के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का सशक्त उदाहरण है।

यह समिति पशुपालकों को चारे की उपलब्धता, पशु-स्वास्थ्य सेवाएँ, दुग्ध संग्रहण और प्रसंस्करण जैसी सुविधाएँ प्रदान करती है।यहाँ उत्पादित दूध का प्रसंस्करण और विपणन स्थानीय ब्रांड के रूप में किया जाता है, जिससे ग्रामीण आजीविका को मजबूती मिली है।

Kerala Arts & Crafts Village, Vellar (Near Kovalam)

दल ने केरल आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स विलेज, वेल्लार (कोवलम के समीप) का भ्रमण किया, जिसे Uralungal Labour Contract Co-operative Society Ltd. (ULCCS) ने केरल सरकार के पर्यटन विभाग के लिए विकसित किया है।यह परियोजना 8.5 एकड़ क्षेत्र में फैली है और लगभग रु. 20 करोड़ की लागत से पूर्ण हुई है।इसका उद्देश्य पारंपरिक केरल की कला, हस्तकला, और शिल्प को संरक्षित करना तथा कलाकारों को स्थायी आजीविका उपलब्ध कराना है।

यहाँ लगभग 35 लाइव स्टूडियो हैं जहाँ कारीगरों को कार्य करते हुए देखा जा सकता है।

लकड़ी, धातु, पत्थर, मिट्टी, बांस, नारियल शैल, वस्त्र और कोयर कला जैसे शिल्पों का यहाँ प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया जाता है।यह केंद्र एक जीवंत संग्रहालय (Living Museum) की तरह कार्य करता है, जहाँ आगंतुक कला निर्माण प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देख सकते हैं और उत्पादों को सीधे खरीद सकते हैं।ULCCS द्वारा इसे सतत एवं समावेशी विकास के मॉडल के रूप में विकसित किया गया है।यहाँ कला गैलरी, डिजाइन प्रयोगशाला, ओपन-एयर थिएटर, क्राफ्ट बाजार, कैफे और प्रशिक्षण केंद्र जैसी सुविधाएँ हैं।यह परियोजना यह दर्शाती है कि सहकारी श्रम संगठन भी सांस्कृतिक संरक्षण और पर्यटन विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मध्यप्रदेश से पहुँचे निरीक्षकों के लिए यह केंद्र एक प्रेरक उदाहरण सिद्ध हुआ, जिसमें सहकारिता, संस्कृति, और सतत विकास का सुंदर संगम दिखाई दिया।

N.S. Memorial Institute of Medical Sciences (NS Cooperative Hospital), कोल्लम

दल ने कोल्लम स्थित एन.एस. कोऑपरेटिव हॉस्पिटल का भी दौरा किया, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में सहकारी मॉडल का एक अद्वितीय उदाहरण है।यहाँ समाज के सभी वर्गों को न्यूनतम शुल्क पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएँ — जैसे ब्लड बैंक, डायलिसिस यूनिट, सीटी स्कैन, आईसीयू एवं सर्जरी विभाग — उपलब्ध हैं।सैकड़ों डॉक्टर, नर्स एवं तकनीकी कर्मचारी सहकार भावना के साथ यहाँ सेवाएँ दे रहे हैं, जिससे यह "सहकारी स्वास्थ्य सेवा" का आदर्श मॉडल बन गया है।

- NS Cooperative Hospital, जिसे पूर्ण नाम में "N.S. Memorial Institute of Medical Sciences (NSMIMS)" कहा जाता है, कोल्लम जिले, केरल के पालथारा (NH Bypass रोड पर) में स्थित है।
- इस अस्पताल का संचालन Kollam District Co operative Hospital Society Ltd.

(शेष अगले पृष्ठ पर)

किसानों के लिए सम्मान और समृद्धि का प्रतीक बनी भावान्तर योजना : मुख्यमंत्री

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भावांतर भुगतान, अन्नदाता के उत्थान का पर्याय है। अन्नदाता को दी गई एमएसपी की गारंटी की पूर्ति करते हुए सोयाबीन भावांतर योजना में 1 लाख 33 हजार किसानों के खाते में 233 करोड रुपए की राशि अंतरित की गई है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमने जो कहा उसे कर दिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में अनेक किसान हितैषी योजनाएं संचालित की जा रही है। मध्यप्रदेश किसानों को उपज का उचित लाभ दिलवाने के लिए भावान्तर योजना लागू करने वाला देश का पहला राज्य है। पिछले साल सोयाबीन का भाव 4800 रुपए था, इस बार किसानों को 500 रुपए प्रति क्विंटल का लाभ देकर 5300 रुपए से अधिक कीमत पर सोयाबीन खरीदा जा रहा है। भावान्तर योजना के लिए प्रदेश में 9 लाख से अधिक किसानों ने सोयाबीन बेचने के लिए पंजीयन किया। आज 1.33 लाख किसानों के खाते में राशि भेजी गई है। हमारी सरकार ने योजना की शुरुआत करने के 15 दिन में ही किसानों से किया वादा पूरा किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को देवास से प्रदेश के 1.33 लाख सोयाबीन उत्पादक किसानों को भावान्तर योजना के अंतर्गत 233 करोड़ रुपए की राशि अंतरित करने के बाद विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर कन्या-पूजन भी किया। वंदे मातरम के गान ने वातावरण को देशभक्ति की भावना का संचार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवास जिले के सर्वांगीण विकास के लिए 183.25 करोड़ लागत के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। साथ ही हितग्राहियों को जैविक खेती, कृषि यंत्र एवं पीएमएफएमई सहित विभिन्न योजनाओं में हितलाभ वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कृषि यंत्रों एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने वाली प्रदर्शनी का शुभारंभ कर अवलोकन किया।

220 से अधिक मुख्य और 80 उप मंडियों में की जा रही खरीदी : सारी प्रक्रिया ई-मंडी पोर्टल पर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में वर्ष-2026 को कृषि आधारित उद्योग वर्ष के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि भावांतर योजना पंजीकृत किसान 15 जनवरी तक अपनी सोयाबीन मंडियों में बेच सकेंगे। पूरे प्रदेश में 220 से अधिक मुख्य मंडियों और 80 उप मंडियों में खरीदी की जा रही है। रेट पारदर्शी तरीके से तय हो रहे हैं, सारी प्रक्रिया ई-मंडी पोर्टल पर है, किसान का डाटा अपने आप दिख रहा है, पैसा सीधे ऑनलाइन खाते में पहुंचने की व्यवस्था की गई है और हर कदम पर रियल टाइम एंट्री और सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। किसानों की सुविधा के लिए भावांतर कॉल सेंटर भी स्थापित किया गया है। भावांतर योजना लागू होने से फसल बेचने में किसानों को होने वाली कई परेशानियां दूर हो गई हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक दिसंबर को गीता जयंती भी पूरी भव्यता के साथ मनाई जाएगी। प्रदेश के नगरों में गीता भवन बनाए जा रहे हैं। साथ ही प्रत्येक विकासखंड में वृंदावन ग्राम बनाए जाएंगे।

नरवाई की समस्या के निदान के लिए लगाए जा रहे हैं कम्प्रेस्ट बायो गैस प्लांट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे लिए धरती पुत्र किसान और सीमा पर जवान, दोनों समान सम्मान का भाव रखते हैं। धरती पुत्र किसानों से देश की विशेष पहचान बनी है। किसानों की समृद्धि के लिए राज्य सरकार खेती के साथ-साथ गोपालन को भी प्रोत्साहित कर रही है। किसान प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए पंजीयन कराएं और 4 हजार रुपए प्रति एकड़ अनुदान का लाभ उठाएं। प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना शुरू की गई है। योजना में अगर कोई किसान 40 लाख रूपए लागत का डेयरी व्यवसाय शुरू करता है तो राज्य सरकार की ओर से 10 लाख रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के लिए नरवाई की समस्या खत्म करने की दिशा में कदम उठाते हुए प्रदेश में कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट का शुभारंभ किया गया है।

बहनों का आर्थिक सशक्तिकरण सनातन संस्कृति का गौरव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार 12 नवम्बर को लाड़ली बहनों को जारी बढ़ी हुई राशि का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की बहनों और किसानों को लगातार सौगातें मिल रही हैं। बहनों का आर्थिक सशक्तिकरण सनातन संस्कृति का गौरव है। भारत दुनिया का एक मात्र देश है, जो मातृ सत्ता को स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि जहां देवियों का वास है, वही देवास है। उन्होंने देवास स्थित नोट प्रेस का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के नोट दुनिया में भारत का मान बढ़ाते हैं। भले ही नोट अर्थव्यवस्था को गति देते हों, लेकिन सोयाबीन, कपास और गेहूं का उत्पादन देश की अर्थव्यवस्था को आधार प्रदान करता है। कृषि उत्पादन में मध्यप्रदेश का योगदान देश में महत्वपूर्ण है।

राज्य सरकार ने मोटे अनाज 'श्रीअन्न' पर दिया बोनस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने मोटा अनाज 'श्रीअन्न' खरीदने के लिए मंडला, बालाघाट, जबलपुर सहित 11 जिलों के लिए किसानों को कोदो-कुटकी पर 1000 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया है। धान और गेहूं उत्पादक किसानों को भी बोनस का लाभ मिला है, चरणबद्ध रूप से गेहूं की कीमतें बढ़ाई जा रही है। संकल्प पत्र में किये वादे को पूरा करते हुए लाड़ली बहना योजना में बहनों के लिए भी राशि बढ़ाकर 1500 रुपए कर दी गई है। किसानों को सोलर पंप लगाने के लिए अनुदान का लाभ दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रत्येक 7 दिन में प्रदेशवासियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत राशि अंतरित की जाएगी। प्रदेश में औद्योगीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार को पिछले दिनों भारत सरकार की ओर से 4 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

देवास जिले में भावान्तर योजना के लिए सबसे अधिक हुआ पंजीयन

कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा कि मध्यप्रदेश किसानों के लिए भावान्तर योजना संचालित करने वाला देश का इकलौता राज्य है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य में किसान हितैषी सरकार है।

मुख्यमंत्री का किसान मोर्चा और नागरिकों ने किया स्वागत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के देवास पहुँचने पर रोड-शो में किसान मोर्चा के पदाधिकारियों और किसानों सहित नागरिकों ने भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सभी का अभिवादन करते हुए किसानों को भावांतर योजना में मिले लाभ की बधाई दी।

कार्यक्रम को सांसद श्री महेंद्र सिंह सोलंकी ने भी संबोधित किया। विधायक श्रीमती गायत्री राजे पंवार ने कहा कि देवास जिले में भावान्तर योजना के लिए सबसे अधिक पंजीयन हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों, युवाओं और महिलाओं को अनेक सौगातें मिल रही हैं। गरीब कल्याण के लिए भी राज्य सरकर सदैव तत्पर है। कार्यक्रम में विधायक डॉ. राजेश सोनकर, विधायक श्री मनोज चौधरी विधायक श्री मुरली भंवरा, महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल, किसान संघ के अध्यक्ष श्री जयपाल सिंह चावड़ा सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में अन्नदाता भाई और लाड़ली बहनें उपस्थित रही।

पिछले पृष्ठ का शेष

केरल अध्ययन भ्रमण से सीख....

(Q.952) द्वारा किया जाता है और इसे सहकारी सिद्धांतों के आधार पर स्थापित किया गया है। इसकी स्थापना वर्ष 2006 में हुई थी।

- यह दक्षिण केरल का पहला मल्टी-सुपर-स्पेशलिटी सहकारी अस्पताल माना जाता है।
- बेड संख्या: लगभग 500 बेड्स।
- 25 एकड़ से अधिक जमीन में फैला यह परिसर में मल्टीस्पेशलिटी ब्लॉक, सुपर-स्पेशलिटी सुविधाएँ आदि शामिल हैं।
- तकनीकी संसाधन: 1.5 T वाइड-बोर MRI, 128-स्लाइस मल्टी-डिटेक्टर CT, आधुनिक कैथ लैब आदि।
- प्रतिवर्ष लगभग 6 लाख से 7 लाख से अधिक रोगियों को सेवा उपलब्ध कराई जाती है।
- आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों हेतु विशेष छूटें उपलब्ध हैं: उदाहरण के लिए - उपचार खर्च लगभग 30% कम तथा दवाओं पर 10% तक की छूट।
- आपातकालीन सेवा 24×7 उपलब्ध है, साथ में ट्रॉमा टीम, आईसीयू, डायलिसिस यूनिट, ब्लड बैंक, सीटी-स्कैन आदि।
- सहकारी सूत्र के तहत इस अस्पताल में "सभी के लिए" स्वास्थ्य सेवा का आदर्श अपनाया गया है — अस्पताल का दर्शन ही ऐसा है कि इलाज खर्च के कारण कोई वंचित न हो।
- शिक्षा-प्रशिक्षण का क्षेत्र भी जुड़ा हुआ है: इस अस्पताल के परिसर में नर्सिंग कॉलेज, आयुर्वेद विभाग आदि भी हैं।
- यह व्यवसाय-लाभ (profit) की दृष्टि से नहीं, बल्कि सामाजिक स्वास्थ्य सेवा की दृष्टि से संचालित है। सहकारी सदस्यता व सामाजिक दृष्टि से संचालित संस्था है।
- समाज के सभी वर्गों तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए पात्रता-आधारित छूटें व पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई गई है।
- इस मॉडल से यह दिखता है कि सहकारी ढाँचा सिर्फ वित्तीय संगठन नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य-सेवा के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट परिणाम दे सकता है।
- इस अस्पताल को केरल राज्य सरकार द्वारा "बेस्ट हॉस्पिटल इन केरल" का पुरस्कार मिला है।
- आईसीए (International Co-operative Alliance) तथा IHCO (International Health Cooperative Organisation) की सदस्यता भी प्राप्त है, जो इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्यता देता है।

इस अध्ययन भ्रमण से सहकारी निरीक्षकों ने अनुभव किया कि सहकारिता का अर्थ केवल वित्तीय संगठन नहीं, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और मानव विकास का माध्यम है।

प्रतिभागियों ने संकल्प लिया कि वे केरल की इन "बेस्ट प्रैक्टिसेज़" को मध्यप्रदेश की सहकारी संस्थाओं में लागू कर, ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में कार्य करेंगे।केरल का सहकारी मॉडल भारत में सबसे प्रभावशाली उदाहरणों में से एक है — जहाँ सहकारिता आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का माध्यम बनी है।मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ का यह प्रयास प्रशिक्षणार्थियों को न केवल व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है, बल्कि राज्य की सहकारी संस्थाओं के भविष्य को नई दिशा देने वाला एक दूरदर्शी कदम भी सिद्ध होगा।

डॉ. अम्बेडकर नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित ग्वालियर

14, मयूर मार्केट, थाटीपुर, मुरार, ग्वालियर

आर्थिक स्थिति विवरण-पत्रक 31.03.2025

क्र.	राशि 31.03.2024	दायित्व		राशि 31.03.2025	क्र.	राशि 31.03.2024	सम्पत्ति		राशि 31.03.2025
1.	15615625.00	**अंश पूंजी**		15511775.00	1		**रोकड़ एवं बैंक**		1520938.00
		अंश	15499900.00				रोकड़ हाथ में	1520938.00	
		अंशपूंजी सदस्य	11075.00		2	31282772.38	**बैंक खाता बैलेन्स**		24383442.87
		नाम मात्र	800.00				सी.सी.बी. बैंक बचत खाता	100282.34	
2.	40986004.54	**निधियाँ**		46358669.46			एस.बी.इण्डिया अलापुर	7803558.00	
		आकस्मिक निधि	620922.00				चालू खाता सी.सी.बी. बैंक	1000.00	
		रक्षित निधि	13988913.40				चालू खाता म.प्र. राज्य सह. बैंक	4525061.92	
		डूबन्त ऋण प्रारक्षित निधि	10741799.59				आई.डी.बी.आई बैंक लिमिटेड	4210650.79	
		भवन निधि	14746756.47				ICICI बैंक ग्वा. चालू खाता	3163612.49	
		धर्मार्थ निधि	369975.00				एस.बी.आई. क्लियरिंग हाउस	427898.17	
		लाभांश समीकरण निधि	5090303.00				IDBIक्लयरिंग खाता	3670142.12	
		कम्प्यूटराईजेशन निधि	800000.00				यस बैंक लिमिटेड	481237.04	
3.	270832485.45	**जमा एवं निक्षेप**		237345300.06	3.	249166088.00	**सावधि जमा एवं विनियोग**		226942121.00
		चालू खाता	805862.15				एस.बी.आई.लिक्विड फण्ड	6900000.00	
		बचत खाता	145257171.91				सावधि जमा यस बैंक	11780887.00	
		आवर्ती अमानत	1740416.00				सावधि जमा म.प्र.राज्य सह. बैंक	7542761.00	
		सावधि जमा व्यक्तिगत	63083189.00				शास. प्रतिभूति ICICI बैंक	139501400.00	
		मेच्यूरिटी बट नोट पेड	457860.00				सावधि जमा ICICI	12275871.00	
		अल्पावधि सावधि जमा	9129736.00				सावधि जमा IDBI बैंक	7000000.00	
		क्यू.आई.एस.सावधि जमा	192.00				सावधि जमा SBI मयूर मार्केट	9772459.00	
		हितकारी अल्प बचत योजना	16870873.00				सावधि जमा पंजाब एण्ड सिंध बैंक	19463106.00	
4.	65923416.68	**अन्य देनदारियाँ**		72392882.44			अंशों में विनियोग	200.00	
		विविध देनदारियाँ	453893.50				एस.बी.आई. मेला रोड़	12705437.00	
		लिटिगेशन	6000.00		4.	89868669.51	**ऋण एवं अग्रिम खाता**		95166074.17
		अतिदेय ब्याज	70657367.00				नगद साख	2496601.00	
		चैक प्राप्त	36000.00				अल्पावधि ऋण	6663858.00	
		डी.डी. पे-बिल	231979.00				अधिविकर्ष ऋण	7687908.17	
		टी.डी.एस.खाता	36668.00				दीर्घावधि जमा ऋमा	69167116.00	
		सदस्यता लांभाश	841960.00				मध्यावधि ऋण	8970591.00	
		ब्याज देय सावधि	25443.00				पिग्मी ऋण	180000.00	
		सस्पेंस खाता	4735.00		5.	419046.00	**अन्य सम्पत्तियाँ**		296893.00
		चन्दा जिला संघ	10000.00				स्टॉक इन्वर्टर एवं बैटरी	5961.00	
		अनपड देनदारी ICICI बैंक	3945.94				स्टॉक कम्प्यूटर एवं सॉफ्टवेयर	208174.00	
		कर्मचारी भविष्य निधि	84931.00				लाइब्रेरी	14575.00	
5.	2748415.21	**कन्टेन्जेन्सी लाईबिलटी**		2748415.21			सिक्योरिटी ऑन टेलीफोन	6120.00	
		डीफ पे बिल	1434937.00				डेड स्टॉक फर्नीचर एवं फिक्चर्स	62063.00	
		अनक्लेम बचत	1165684.36		6.	76653318.97	**अन्य लेनदारियाँ**		80705073.21
		अनक्लेम चालू खाता	147793.85				अनक्लेम बचत	1165684.36	
6.	47746159.00	**प्रावधान**		50930068.00			अग्रिम खाता	78864.00	
		प्रावधान आयकर	314024.00				ई.सी.एस.रिटर्न क्लियरिंग	175856.00	
		मानक आस्तियों पर	1451010.00				डीफ फण्ड रिसेवेबिल	1434937.00	
		ऑडिट फीस	310331.00				डिमान्ड फ्रॉम मास्टर कम्प्यूटर्स	1895975.00	
		कर्मचारी ग्रेच्युटी फण्ड	5519412.00				प्राप्ति योग्य ब्याज (विनियोग पर)	2346884.00	
		कर्मचारी प्रशिक्षण	179826.00				डीप रिसेवेबिल आर.बी.आई.	251557.00	

क्र.	राशि 31.03.2024	दायित्व		राशि 31.03.2025	क्र.	राशि 31.03.2024	सम्पत्ति		राशि 31.03.2025
		अशोद्ध एवं संदिग्ध ऋण	36946522.00				अनक्लेम चालू खाता	147793.85	
		प्रावधान फ्राड मास्टर्स कम्प्यूटर्स	2295975.00				अप्राप्त ब्याज (ऋणों पर)	70657367.00	
		प्रावधान लीव	2571294.00				चैक कलेक्शन	36000.00	
		वेतन प्रावधान	1330724.00				अग्रिमकर एवं टी.डी.एस.	17008.00	
		प्रोफेशनल टैक्स	10950.00				(सावधियों पर)		
7.	5425873.92	**शुद्ध लाभ**		3727432.08			कन्ट्रोल खाता	500.00	
		शुद्ध लाभ	3727432.08				टी.डी.एस. FDR	1941491.00	
							जी.एस.टी.खाता	32450.00	
							प्राप्ति योग्य ब्याज ऋणों पर	522706.00	
	449278089.80		**योग**	429014542.25				**योग**	429014542.25

(राकेश आर्य)
प्रबंधक
डॉ. अम्बेडकर नाग. सह. बैंक
मर्यादित, ग्वालियर

(मनोज सुमन)
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
डॉ. अम्बेडकर नाग. सह. बैंक
मर्यादित, ग्वालियर

BANSAL MUKESH & ASSOCIATES Chartered Accountants GWALIOR
23/09/2025
बंसल मुकेश एण्ड एसोसियेट्स
प्रथम तल सिंघल भवन
मराठा बोर्डिंग के सामने, जयेन्द्रगंज
लश्कर, ग्वालियर

(पुरूषोत्तम सिंह चौकोटिया)
अध्यक्ष
डॉ. अम्बेडकर नाग. सह. बैंक
मर्यादित, ग्वालियर

डॉ. अम्बेडकर नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित ग्वालियर

14, मयूर मार्केट, थाटीपुर, मुरार, ग्वालियर

लाभ-हानि पत्रक 31.03.2025

क्र.	नामे राशि 31.03.2024	वितरण	राशि 31.03.2025	क्र.	राशि 31.03.2024	सम्पत्ति	राशि 31.03.2025
1.	31393.00	मार्ग व्यय	24034.00	1.	6764271.00	ब्याज प्राप्त विनियोगों पर	5958204.00
2.	70533.00	स्टेशनरी एवं रजिस्टर	42815.00	2.	12493117.00	ब्याज प्राप्त ऋणों पर	11837346.00
3.	39656.00	टायपिंग एवं फोटोकॉपी	33754.00	3.	10530910.00	शास.प्रति.पर ब्याज प्राप्त	10530920.00
4.	915000.00	ऑफिस किराया	825000.00	4.	7970.00	आवेदन शुल्क	8380.00
5.	70189.00	व्यवसाय विकास व्यय	—	5.	10451.72	अन्य आय	9700.00
6.	13840.00	ऑफिस मेंटीनेंस	12666.00	6.	10275.00	चैक बुक चार्जेस	8475.00
7.	145131.00	बिजली व पानी व्यय	125774.00	7.	39730.00	ऋण प्रक्रिया शुल्क	49970.00
8.	136222.00	वार्षिक आमसभा व्यय	266711.00	8.	900.00	पूर्ण ऋण उपयोगिता	1350.00
9.	28340.00	पोस्टेज एवं टेलीफोन	42309.00	9.	—	अग्रिम कर वापस	
10.	60006.00	बैठक व्यय संचालक मण्डल	101653.00	10.	—	ब्याज प्राप्त आयकर	
11.	491758.00	बीमा व्यय	428660.00	11.	138.20	बैंक चार्जेज अन्य बैंक	
12.	64010.00	विज्ञापन व्यय	52550.00				
13.	—	बैंक चार्जेज	2119.07				
14.	149954.00	अन्य व्यय	173278.00				
15.	10559.00	डेड स्टॉक ह्रास	6896.00				
16.	273064.00	वाहन भाड़ा	263123.00				
17.	3150.00	ह्रास कम्प्यूटराइजेशन	127782.00				
18.	200000.00	ऑडिट फीस	100000.00				

क्र.	नामे राशि 31.03.2024	विवरण	राशि 31.03.2025	क्र.	राशि 31.03.2024	सम्पत्ति	राशि 31.03.2025
19.	548345.00	एजेन्ट कमीशन	617952.00				
20	25000.00	कानूनी सलाहकार व्यय	13900.00				
21.	5100.00	गणवेश व्यय	9200.00				
22.	200000.00	मानक आस्तियों पर	500000.00				
23.	2000000.00	अशोध्य एवं संदिग्ध ऋण पर (प्रावधान)	3000000.00				
24.	42950.00	क्लियरिंग हाउस चार्जेज	12020.00				
25.	156000.00	आन्तरिक अंकेक्षण व्यय	––				
26.	118766.00	कम्प्यूटर मेन्टीनेंस व्यय	105210.00				
27.	5442418.00	वेतन खाता	5860716.00				
28.	443406.00	कर्मचारी भविष्य निधि	510458.00				
29.	20000.00	चन्दा जिला संघ	10000.00				
30.	37769.00	सर्विस टैक्स	121374.00				
31.	500000.00	अर्जित अवकाश प्रावधान	200000.00				
32.	––	कर्मचारी प्रशिक्षण व्यय	10960.00				
33.	525.00	ब्याज टी.डी.एस. व्यय	––				
34.	1416626.00	अग्रिम कर	2100000.00				
35.	3994.00	ह्रास डैड स्टॉक इनवर्टर	3975.00				
36.	9149442.00	ब्याज दिया जमा निक्षेपों पर	8347523.00				
37.	29418.00	ई.पी.एफ.व्यय	31559.00				
38.	68295.00	निर्वाचन व्यय	––				
39.	––	प्रोफेशनल फीस	24000.00				
40.	21030.00	जी.एस.टी.	66442.00				
41.	––	प्रोफेशनल टैक्स बैंक	2500.00				
42.	1500000.00	कर्मचारी ग्रेच्युटी	500000.00				
43.	5425873.92	कुल लाभ	3727432.08				
	29857762.92	योग	28404345.15			योग	28404345.15

(राकेश आर्य)
प्रबंधक
डॉ. अम्बेडकर नाग. सह. बैंक
मर्यादित, ग्वालियर

(मनोज सुमन)
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
डॉ. अम्बेडकर नाग. सह. बैंक
मर्यादित, ग्वालियर

BANSAL MUKESH & ASSOCIATES Chartered Accountants GWALIOR
23/09/2025
बंसल मुकेश एण्ड एसोसियेट्स
प्रथम तल सिंघल भवन
मराठा बोर्डिंग के सामने, जयेन्द्रगंज
लश्कर, ग्वालियर

(पुरूषोत्तम सिंह चौकोटिया)
अध्यक्ष
डॉ. अम्बेडकर नाग. सह. बैंक
मर्यादित, ग्वालियर

(शेष अगले पृष्ठ पर)

(पृष्ठ 1 का शेष)

प्रदेश में 14 नवम्बर से राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह .....

उत्पादों के प्रोत्साहन के लिए एक ऐसा मंच तैयार किया जाये, जहाँ स्थानीय उत्पादकों और उपभोक्ताओं को सीधे जोड़ा जा सके। साथ ही प्रदेश में होने वाली स्वदेशी केन्द्रित नवाचार आधारित प्रदर्शनी को विशेष महत्व दिया जायेगा, जिसमें आत्मनिर्भरता और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने वाले विचारों और नवाचारों को प्रमुखता दी जायेगी।

विशेष संवाद 'सहकारिता मंथन'

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि प्रदेश की विभिन्न सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ एक विशेष संवाद कार्यक्रम 'सहकारिता मंथन' के रूप में आयोजित किया जाये, जिसमें विभाग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा एवं समस्या-समाधान के ठोस प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने उपार्जन और खाद वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सरलीकृत करने के लिये उपयोगी संवाद कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया।

बैठक में आयुक्त एवं पंजीयक सहकारिता श्री मनोज पुष्प, प्रबंध संचालक उपभोक्ता संघ श्री ऋतुराज रंजन, प्रबंध संचालक बीज संघ श्री महेन्द्र दीक्षित सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह प्रतिवर्ष 14 से 20 नवम्बर तक पूरे देश में मनाया जाता है। इस सप्ताह के दौरान सहकारी समितियों के योगदान को रेखांकित किया जाता है। उनकी उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाता है और सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए विचार-विमर्श एवं संवाद के कार्यक्रम किये जाते हैं। इस वर्ष का आयोजन "आत्मनिर्भर भारत" की भावना को सशक्त करने और सहकारिता को विकास की मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक सार्थक पहल साबित होगा।

(पिछले पृष्ठ का शेष)

डॉ. अम्बेडकर नागरिक सहकारी बैंक मर्या. ग्वालियर

14, मयूर मार्केट, थाटीपुर, मुरार, ग्वालियर

अंकेक्षण प्रमाण–पत्र

मैं निम्न हस्ताक्षरकर्ता अंकेक्षक प्रमाणित करती हूँ कि मैंने डॉ. अम्बेडकर नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, ग्वालियर जिसका पंजीयन क्रमांक जे.आर./जी.डब्ल्यू.आर.–4/दिनांक 10 मार्च 1995 है। जो तहसील व जिला ग्वालियर में स्थित है, का अंकेक्षण पंजीयक सहकारी समितियाँ म.प्र. भोपाल द्वारा प्रस्तावित विधि से पूर्ण किया है।

बैंक का पंजीयन प्रमाण –पत्र विधिवत सही है तथा बैंक में रखा गया है, मेरे द्वारा डॉ. अम्बेडकर नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित, ग्वालियर का 31 मार्च 2025 तक का स्थिति विवरण पत्रक तथा लाभ–हानि पत्रक जो उस दिनांक को समाप्त होने वाले वर्ष में लेखों से सम्बन्धित तक की जाँच की गई है, यह स्थिति विवरण पत्रक तथा लाभ–हानि पत्रक बैंक के प्रधान कार्यालय में रखे गयें हैं।

अतः मेरे द्वारा प्रस्तुत संस्था के अंकेक्षण प्रतिवेदन तथा साथ में संलग्न आक्षेपों तथा स्थिति विवरण पत्रक पर अंकित टीप के अधीन हैं।

1. बैंक का व्यवसाय आमतौर से अच्छी तरह से विधिवत तथा ईमानदारी से व उपनियमों के प्रावधानों के अनुसार तथा मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम तथा उनके अन्तर्गत बने नियम जो प्रभावशील है के अन्तर्गत पंजीयक सहकारी समितियाँ म.प्र. से प्रशासकीय निर्देशों के अनुसार जो कि समय–समय पर भेजे गये तथा बैकिंग रेग्यूलेशन एक्ट की आवश्यकता के अनुसार किया गया है।
2. बैंक की स्थिति विवरण पत्रक पूर्ण रूप से स्पष्ट है। इसमें आवश्यक सभी जानकारी जो बैंक के व्यवहार और स्थिति को दर्शाते हैं का समावेश किया गया है, तथा जो जानकारी बैंक के खाते में दर्शाई गई दिखाई देती है वह इसमें सब परिलक्षित होती है।
3. मुझे जानकारी व स्पष्टीकरण की जब–जब आवश्यकता हुई वह जानकारी मुझे प्राप्त हुई।
4. बैंक के व्यवहार जो मेरी जानकारी में आये वे सभी बैंक के कार्य सीमा में किये गये हैं।
5. अंकेक्षण हेतु जो भी प्रपत्र एवं लेखा बैंक से बुलाये या प्राप्त किये गये हैं सभी पूर्ण तथा पर्याप्त हैं। जिनकी जानकारी विवरण निर्देशिका एक में दी गई है।
6. बैंक का लाभ–हानि पत्रक संलग्न निर्देशिका 1 में वर्णित जानकारी को छोड़कर बैंक के लाभ का सही चित्र प्रस्तुत करता है। सी.बी.एस. में माइग्रेशन के कारण कुछ तकनीकी कमी है, जिसकी जानकारी निर्देशिका में दी गई है।
7. मेरे मत से अधिकोष द्वारा सभी हिसाब नियमों की आवश्कता के मुताबिक रखे गये हैं।

अतः मैं अधिकोष को पंजीयक सहकारी समितियाँ म.प्र. भोपाल द्वारा प्रसारित नियमों में दी गई कसोटियों के आधार पर अंकेक्षण वर्ष 2024–25 के लिये वर्ग ''स'' श्रेणी प्रदान करता हूँ।

स्थान : ग्वालियर
दिनांक : 23.09.2025

बंसल मुकेश एण्ड एसोसियेशन
प्रथम तल, मुखर्जी भवन
मराठा बोर्डिंग के सामने, जयेन्द्रगंज,
लश्कर, ग्वालियर

कृषि के साथ दुग्ध व्यवसाय से आत्मनिर्भर बने किसान भाई – सोनू गुणवान

सीहोर: अंतर्राष्ट्रीय सहकारी वर्ष 2025 के अंतर्गत जिला सहकारी संघ मर्यादित, सीहोर के तत्वाधान में प्राथमिक दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, खामखेड़ा जत्रा, तहसील आष्टा, जिला सीहोर में सहकारी नेतृत्व विकास प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोनू गुणवान, जनपद अध्यक्ष आष्टा प्रतिनिधि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री विजयसिंह ठाकुर, अध्यक्ष दुग्ध संस्था खामखेड़ा जत्रा ने की, वहीं कार्यक्रम में रतनसिंह ठाकुर, प्रेमनारायण वर्मा सरपंच, धर्मेन्द्र सिंह ठाकुर एवं लोकेन्द्र सिंह ठाकुर, पर्यवेक्षक दुग्ध संघ भोपाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर और माल्यापर्ण कर किया गया।सर्वप्रथम संस्था अध्यक्ष विजयसिंह ठाकुर और सचिव बहादुर सिंह ठाकुर ने मुख्य अतिथि और विशेष अतिथियों का साफा-बंधाई और पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया।मुख्य अतिथि सोनू गुणवान ने संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी और उनके सहयोगी माननीय अमित शाह जी, जो देश के पहले सहकारिता मंत्री रह चुके हैं, सहकारिता के माध्यम से विकास की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पंचायत स्तर पर सहकारी संस्थाओं को स्थापित किया जा रहा है और पैक्स संस्थाओं को बहुउद्देशीय मॉडल और डिजिटलीकरण से सशक्त बनाया जा रहा है।उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारी वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय मोहन यादव द्वारा गौवंश के आहार के लिए प्रतिदिन भुगतान 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए किया गया है। वर्ष 2030 तक 26 हजार गांवों तक डेयरी नेटवर्क का विस्तार किया जाना है। गौ संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में प्रदेश देश का अग्रणी बन चुका है।मुख्य कार्यपालन अधिकारी तेजसिंह ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री की योजना के अनुसार प्रदेश में किसानों की आय को दोगुना करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने हेतु पशुपालन व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसे "गोपालन" के नाम से भी जाना जा रहा है। उन्होंने इंग्लैंड के रॉकडेल कस्बे में सन् 1844 के सहकारी मॉडल का उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार 28 जुलाहों ने मिलकर दैनिक जरूरतों के लिए सहयोग किया और धीरे-धीरे यह विचार पूरी दुनिया में फैल गया।

कार्यक्रम में किसानों को सहकारी नेतृत्व और दुग्ध व्यवसाय में आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

नेशनल एफपीओ समागम 2025: किसान सशक्तिकरण और उद्यमिता का महोत्सव

नई दिल्ली। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित नेशनल एफपीओ समागम 2025 का समापन नई दिल्ली में सफलतापूर्वक हुआ। दो दिवसीय यह कार्यक्रम एनसीडीसी–एनसीयूआई परिसर, हौज खास में आयोजित किया गया, जिसमें 24 राज्यों के 500 से अधिक किसान, 140 जिलों का प्रतिनिधित्व करते हुए 267 किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) ने भाग लिया।इस समागम का विषय था – "इनोवेशन, इंक्लूजन और मार्केट लिंकेज के माध्यम से एफपीओ को सशक्त बनाना", जिसमें 10,000 एफपीओ के गठन और प्रोत्साहन योजना की उपलब्धियों का उत्सव मनाया गया। यह कार्यक्रम ग्रामीण समृद्धि में किसान उत्पादक समूहों की परिवर्तनकारी क्षमता को रेखांकित करने वाला एक मील का पत्थर साबित हुआ।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत में अब तक 10,000 से अधिक एफपीओ स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें से कुछ का वार्षिक कारोबार रु.100 करोड़ से अधिक है। उन्होंने कहा कि एफपीओ किसानों को उत्पादक से उद्यमी बनाने का एक प्रमुख साधन हैं।मंत्री ने बीज अधिनियम (Seed Act) लाने की योजना की घोषणा की ताकि गुणवत्तापूर्ण इनपुट सुनिश्चित किए जा सकें और बीज संप्रभुता को बढ़ावा मिले। उन्होंने महिला भागीदारी को सशक्त करने और एकीकृत खेती प्रणाली को बढ़ावा देने की पहल पर भी बल दिया।

समागम ने नीति-निर्माताओं, किसानों, सहकारी संस्थाओं, कृषि स्टार्टअप्स और वित्तीय संस्थाओं के बीच संवाद का मंच प्रदान किया। मुख्य पैनल चर्चाएँ निम्नलिखित विषयों पर हुईं:

- डिजिटल कृषि और बाजार संपर्क
- एफपीओ के लिए वित्तीय मॉडल
- सहकारी और ऋण संस्थाओं की भूमिका
- स्थिरता और मूल्य संवर्धन
- एफपीओ में क्षमता निर्माण और महिला नेतृत्व

साथ ही, खरीदार–विक्रेता मिलन (Buyer–Seller Meet) आयोजित किया गया, जिसमें एफपीओ को सीधे कृषि व्यवसायों, निर्यातकों और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स से जोड़ा गया, जिससे उन्हें वास्तविक समय में बाजार तक पहुंच प्राप्त हुई।समागम के प्रदर्शनी क्षेत्र में एफपीओ ने विविध उत्पादों का प्रदर्शन किया – अनाज, मिलेट्स, दालें, तिलहन, फल, सब्जियाँ, मसाले, शहद, चाय, कॉफी, डेयरी और जैविक उत्पाद। मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे गुड़, अचार, हर्बल उत्पाद और जैम को भी प्रदर्शित किया गया।समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले एफपीओ, CBBOs और कार्यान्वयन एजेंसियों को नवाचार, सुशासन और किसान सशक्तिकरण के लिए सम्मानित किया गया।राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC), SFAC और प्रमुख एग्री-टेक कंपनियों के अधिकारियों ने तकनीकी एकीकरण, ब्रांडिंग और निर्यात संबंधों पर अपने विचार साझा किए।

कूनो रिवर कैंप-मध्यप्रदेश का पहला सहकारिता से संचालित पर्यटन रिज़ॉर्ट

सहकारिता, पर्यावरण और रोमांच का अद्भुत संगम – जहाँ चीता का नया बसेरा है

भोपाल। मध्यप्रदेश सहकारिता विभाग के अधीन कार्यरत उपक्रम मध्यप्रदेश राज्य सहकारी पर्यटन संघ मर्यादित, भोपाल की सदस्य संस्था जिला पर्यटन सहकारी संस्था मर्यादित, शिवपुरी ने राज्य में एक नया इतिहास रच दिया है। संस्था द्वारा विकसित एवं संचालित **"कूनो रिवर कैंप"** न केवल मध्यप्रदेश का बल्कि देश का पहला सहकारिता से संचालित पर्यटन रिज़ॉर्ट बन गया है।यह सहकारिता की उस सशक्त अवधारणा का प्रत्यक्ष उदाहरण है, जिसमें स्थानीय समुदाय, ग्रामीण रोजगार और पर्यावरण संरक्षण एक साथ आगे बढ़ते हैं। कूनो रिवर कैंप का उद्देश्य ग्रामीण अंचल में पर्यटन को नई पहचान देना, स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर स्वरोजगार उपलब्ध कराना और पर्यावरणीय संतुलन के साथ पर्यटन को बढ़ावा देना है।

कूनो–भारत में चीता का नया बसेरा

भारत में विलुप्तप्राय चीता प्रजाति के पुनर्वास के लिए चयनितकूनो नेशनल पार्क (Kuno National Park)ने हाल के वर्षों में विश्व स्तर पर नई पहचान

बनाई है। यह एशिया का एकमात्र ऐसा क्षेत्रहै जहाँ पर्यटक चीता, तेंदुआ, टाइगर, भालू, सांभर, चिंकारा और अनेक जंगली जीवों को उनके प्राकृतिक आवासमें देख सकते हैं।इसी अद्भुत जैव-विविधता के मध्य कूनो नदी के किनारे बसाकूनो रिवर कैंपपर्यटकों कोवन्यजीवन के साथ रोमांच और प्रकृति की शांतिका अद्भुत अनुभव प्रदान करता है। यहाँ का शांत वातावरण, कूनो नदी की कल-कल ध्वनि और आसपास का हरित सौंदर्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है।

सहकारिता से पर्यटन तक – एक अभिनव पहल

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी पर्यटन संघ मर्यादित द्वारा तैयार किया गया यह मॉडल "सहकारिता से सतत पर्यटन विकास" का एक प्रेरक उदाहरण है। यहाँ स्थानीय युवाओं को गाइड, आतिथ्य, सफाई, पर्यावरण संरक्षण तथा एडवेंचर गतिविधियों से जुड़ी सेवाओं में प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है।

सहकारी ढाँचे में संचालित होने से इस परियोजना में पारदर्शिता, लाभ का न्यायसंगत वितरण और स्थानीय समुदाय की प्रत्यक्ष भागीदारी सुनिश्चित हुई है। यह पहल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के"वोकल फॉर लोकल"और"आत्मनिर्भर भारत"के संकल्प को साकार करती है।

संघ के प्रबंध संचालक ने बताया कि "कूनो रिवर कैंप" को सहकारिता आधारित पर्यटन विकास कीरोल मॉडल परियोजनाके रूप में विकसित किया जा रहा है। निकट भविष्य में इसी मॉडल पर अन्य जिलों में भी सहकारी पर्यटन केन्द्र स्थापित किए जाने की योजना है।

पर्यटन, प्रकृति और सहकारिता का त्रिवेणी संगम

कूनो रिवर कैंप मेंजंगल सफारी, बर्ड वॉचिंग, रिवर ट्रेकिंग, नेचर ट्रेल्स, कैंपिंगजैसी गतिविधियाँ उपलब्ध हैं। पर्यटक यहाँ न केवल वन्यजीवन का आनंद लेते हैं बल्कि स्थानीय संस्कृति, भोजन और जनजीवन की झलक भी देख पाते हैं।

यहाँ सहकारी भाव से संचालित आतिथ्य सेवाएँ पर्यटकों को आत्मीय अनुभव प्रदान करती हैं। कूनो नदी के तट पर तंबू शिविर, पारंपरिक भोजन, और स्थानीय लोकगीतों की संध्या इस स्थल को एक यादगार अनुभव बनाती हैं।

कूनो की धरती पर आइए, जहाँ सहकारिता की भावना, प्रकृति का सौंदर्य और वन्यजीवन का आकर्षण एक साथ जीवंत होता है।यहाँ चीता का नया बसेरा है, नदी की लहरों में रोमांच है और हर दिशा में सहकारिता की आत्मा है।कूनो रिवर कैंप, जिला शिवपुरी (मध्यप्रदेश)– सहकारिता से आत्मनिर्भरता और सतत विकास की ओर एक प्रेरक कदम।

गांधी शिल्प बाजार : स्वरोजगार और सहकारिता के सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

जबलपुर। वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली तथा मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में जबलपुर केएम. एल.बी. स्कूल मैदानमें आयोजित गांधी शिल्प बाजार का उद्घाटन उत्तर-मध्य क्षेत्र के विधायक माननीय डॉ. अभिलाष पाण्डे द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। यह आयोजन 10 नवम्बर से 19 नवम्बर 2025 तक प्रतिदिन दोपहर 2.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक संचालित हो रहा है। कार्यक्रम के शुभारंभ पर विधायक डॉ. पाण्डे ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन कर शुभारंभ किया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने कहा कि गांधी शिल्प बाजार स्वरोजगार, हस्तशिल्प एवं सहकारिता के क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक सशक्त कदम है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण एवं कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन मिलता है और देश की आर्थिक संरचना को मजबूती मिलती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे बाजारों का आयोजन भविष्य में और भी व्यापक स्तर पर किया जाएगा जिससे सामाजिक आत्मनिर्भरता को बल मिलेगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर के प्राचार्य श्री व्ही.के. बर्वेने की। अपने उद्बोधन में उन्होंने गांधी शिल्प बाजार के उद्देश्य, हस्तशिल्प कारीगरों की सहकारी समितियों के गठन, उनके उत्पादों के विपणन तथा नवाचार आधारित गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यदि हितग्राहियों के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुँचाया जाए, तो उन्हें उचित मूल्य प्राप्त हो सकेगा और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित सांची दुग्ध सहकारी संघ एन.डी.डी.बी. जबलपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राहुल त्रिपाठी ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि सहकारिता के माध्यम से स्वरोजगार की असीम संभावनाएँ हैं, और गांधी शिल्प बाजार जैसे आयोजन इन्हें साकार करने में सहायक सिद्ध होंगे।

विशेष अतिथियों में सांची दुग्ध सहकारी संघ के महाप्रबंधक श्री कमल यादव, हस्तशिल्प सेवा केन्द्र भोपाल के सहायक निदेशक श्री नरसिंह सैनी, प्रियदर्शनी स्व-सुविधा केन्द्र जबलपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री अनिल वर्मा, एम.पी. प्रिंटिंग प्रेस के महाप्रबंधक श्री के.के. तिवारी, संचालक श्री राजेश सराफ तथा जिला सहकारी संघ जबलपुर के प्रबंधक श्री राकेश बाजपेयी शामिल रहे। सभी अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए गांधी शिल्प बाजार को सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण में सहायक पहल बताया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर के पूर्व प्राचार्य श्री यशोवर्धन पाठक ने महात्मा गांधी के स्वरोजगार और सहकारिता संबंधी विचारों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य श्री व्ही.के. बर्वे द्वारा किया गया, जिन्होंने सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र की विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी।

आभार प्रदर्शन मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्या. भोपाल के विशेषज्ञ संस्थान अधिकारी श्री अवतार सिंह ने किया। आयोजन में केन्द्र के प्रशिक्षक श्री अखिलेश उपाध्याय, लिपिक श्रीमती उमा भूमरकर एवं लेखापाल श्री एन.पी. दुबे का सहयोग सराहनीय रहा।

उल्लेखनीय है कि गांधी शिल्प बाजार में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए 70 हस्तशिल्प कारीगरों ने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री हेतु स्टॉल लगाए हैं, जिनमें वस्त्र, मिट्टी, लकड़ी, धातु, जूट, बांस, चमड़ा, हेंडीक्राफ्ट आदि विविध हस्तशिल्प सामग्री का आकर्षक प्रदर्शन किया गया है। यह आयोजन स्थानीय कलाकारों एवं स्व-सहायता समूहों को स्वरोजगार की दिशा में प्रेरित कर रहा है।

नवनियुक्त बी-पैक्स समिति प्रबंधकों हेतु 6 दिवसीय एकीकृत प्रशिक्षण

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा नवनियुक्त बी-पैक्स समिति प्रबंधकों के लिए दो चरणों में आयोजित 6 दिवसीय एकीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रबंधकों को सहकारिता क्षेत्र की नवीन नीतियों, कार्यप्रणालियों एवं व्यावसायिक विविधीकरण की दिशा में दक्ष बनाना रहा।

प्रशिक्षण का प्रथम चरण 27 अक्टूबर से 1 नवम्बर 2025 तक आयोजित किया गया, जिसमें देवास, दमोह, पन्ना, सिवनी एवं छतरपुर जिलों के 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वहीं द्वितीय चरण 10 नवम्बर से 15 नवम्बर 2025 तक संपन्न हुआ, जिसमें सीहोर, छिंदवाड़ा, अलीराजपुर, झाबुआ एवं बैतूल जिलों के 22 प्रबंधकों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक, महाप्रबंधक की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं समन्वयन श्री पी. के. परिहार (अनुबंधित संकाय सदस्य) द्वारा किया गया।

श्री पी. के. परिहार, श्री श्रीकुमार जोशी (से.नि. संयुक्त आयुक्त), डॉ. आर. के. गंगेले (ओएसडी, अपैक्स बैंक), डॉ. दिनेश सोलंकी (ईफको), श्री अभय गोखले (से.नि. अपैक्स बैंक अधिकारी), श्री जमील खान (CSCMP), एवं श्री अभिनंदन त्यागी (स्टेट हेड, CSC) – ने प्रतिभागियों को सहकारिता क्षेत्र के विभिन्न तकनीकी, प्रबंधकीय एवं वित्तीय पहलुओं की जानकारी प्रदान की।

प्रशिक्षण में राष्ट्रीय सहकारी नीति, मध्यप्रदेश सहकारिता नीति, बी-पैक्स की आदर्श उपविधियाँ, वसूली प्रबंधन, ऋण वितरण, वार्षिक वित्तीय पत्रक, अंकेक्षण, एन.पी.ए. प्रबंधन, सीआरएआर गणना, पैक्स व्यवसाय विविधीकरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, जनऔषधि केन्द्र, नागरिक सेवा केन्द्र (CSC) एवं पैक्स एफ.पी.ओ. गठन जैसे उपयोगी विषयों पर विस्तार से सत्र आयोजित किए गए।ईफको के विशेषज्ञों द्वारा नेनो यूरिया एवं डी.ए.पी. की उपयोगिता पर व्यावहारिक जानकारी दी गई, वहीं CSC प्रतिनिधियों ने डिजिटल सेवाओं के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के उपाय साझा किए।प्रत्येक दिवस की शुरुआत पिछले दिवस की संक्षेपिका से हुई तथा अंत में प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से प्रतिभागियों के प्रश्नों का समाधान किया गया।समापन दिवस पर फीडबैक सत्र, प्रमाणपत्र वितरण एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का औपचारिक समापन हुआ।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी
डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।